

लोकसभा चुनाव में मतदान के लिए जागरूकता अभियान का बनें हिस्सा: के. रवि कुमार

रांची

सोशल नीडिया पर 7 मई को चलेगा तैयारी इलेक्शन एंबेसेटर

लोकतंत्र के महापर्व के रूप में चल रहे लोकसभा चुनाव के लिए लोगों को मतदान करने के लिए प्रशासन विभिन्न स्तर पर जागरूकता अभियान भी चल रहा है। इसी क्रम में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ावा देने के उद्देश्य से 7 मई को अपराह्न 6 बजे से 8 बजे तक मतदातों को भैंटक में कहाँ है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन के महापर्व को उत्साहपूर्ण होगा से मनाने के लिए अपने कार्यों के डिजिटल कंटेंट लिया। यह हमारे स्पूचर और फर्ट टाइप वोटर के रूप में निर्वाचन में अपनी महती भूमिका निभा रहे हैं। बच्चों ने स्कूल एवं कालिजों में स्वीप समर्थन कर्मियों को अपलोड करें। उन्होंने कहा कि 7 मई को होने वाले सोशल मीडिया कैपेन चलाया जाएगा। इसमें राज्य के सभी स्कूल कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर भाग



के डिजिटल कंटेंट को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर #मैं भी इलेक्शन एंबेसेटर हूं लेकर हैशट्रैग के साथ अपलोड करें। साथ ही मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झारखण्ड एवं भारत निर्वाचन आयोग के सोशल मीडिया अकाउंट को अधिकर्य टैग करें।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के, रवि कुमार ने कहा कि मतदाताओं को निर्वाचन के महत्व को बताते हुए उन्हें मतदान में अपनी भागीदारी भी निश्चित कर सकते। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित भैंटक में निर्वाचन सदन से अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ नेहा अरोड़ा, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुव्याध कुमार, सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी देव दास दता, उप निर्वाचन पदाधिकारी संजय कुमार सहित राज्य के सभी सीबीएसई एवं आईएसीसी स्कूलों के प्रधानाध्यापक उपरिथत थे।

आईएचम रांची में विश्व मजदूर दिवस: घुरुव वर्ग कर्मियों के सम्मान एवं ध्यानवाद कार्यक्रम का आयोजन

मांडर प्रखण्ड स्थित ब्राम्पे में विश्व श्रमिक दिवस के अवसर पर होटल प्रबंधन संस्थान (आईचएम) रॉची में बाहर के लोग नौकरी कर रहे हैं। नौकरी की बिक्री की जा रही है। वहां के लोगों का हक मारा जा रहा है। अपने हक अधिकारी की रक्षा के लिए सभी जाति धर्म के लोग ज्ञापा को वोट करें। पार्टी प्रत्याशी अपांग हांस ने कहा कि जल, जंगल जमीन की रक्षा के लिए झारखण्ड पार्टी को वोट दें। पार्टी के केंद्रीय महासचिव अशोक कुमार भारत ने कहा कि भाजपा के शासन काल में न आदिवासियों का कल्याण हुआ और न न है



खूंटी। झारखण्ड पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एस एस एक्का ने कहा कि आप कांग्रेस के हाथ छाप या भाजपा के काला फूल छाप किसी को भी वोट दीजिएगा, वह भाजपा और आरएसएस को ही जाएगा। एक्का गुरुवार को तोरा में अपने चुनाव कार्यालय के उद्घाटन के बाद उपरिथत कार्यक्रमों और समर्थकों से संबोधित कर रहे थे। भाजपा और कांग्रेस के हाथ छाप आई-भाई हैं, एक भाई भाजपा को हाथ छाप एवं आरएसएस में है। उन्होंने खूंटी की जनता को बेवकूफ बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि झारखण्ड पार्टी चुनाव जीतेगी, तो महागठबंधन को समर्थन देगी, लेकिन कालीचरण चुनाव जीतेगी,

तो भाजपा में चले जाएंगे। उन्होंने कहा कि जल, जंगल जमीन की रक्षा के लिए झारखण्ड पार्टी को वोट दें। पार्टी के केंद्रीय महासचिव अशोक कुमार भारत ने कहा कि भाजपा के शासन काल में न आदिवासियों का कल्याण हुआ और न न है।

झारखण्ड हाई कोर्ट ने एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर हुए हाजिर, अगली सुनवाई 18 जून को

रांची। झारखण्ड हाई कोर्ट में रांची शहर में सीरेज-डेंजेज परियोजना को पूरा करने का आग्रह करने वाली अस्विंदर सिंह देओल की जनहित व्याचिका की सुनवाई गुरुवार को हुई। मामले में कार्ट के आदेश पर एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर और रांची नगर निगम के एक्जीक्यूटिव इंजीनियर हाजिर हुए। अगली सुनवाई 18 जून को होगी।

एनएचएआई (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) के प्रोजेक्ट डायरेक्टर ने कार्ट को बताया कि रांची में सीरेज-डेंजेज परियोजना के फेज वन के लिए रांची नगर निगम को एनओसी दे।

रांची नगर निगम की ओर से अधिवक्ता प्रत्याशी एसएस शहद ट्रांसपोर्ट एवं हाईवे मंत्रालय को पत्र भेजा गया है। वहां से अनुमति मिलते ही रांची नगर निगम को एनओसी दे दिया जाएगा। कार्ट ने राज्य सरकार को सीरेज-



एनएचएआई जल्द फेज वन के लिए रांची नगर निगम को एनओसी दे। अधिवक्ता प्रत्याशी एसएस शहद ट्रांसपोर्ट एवं हाईवे मंत्रालय को पत्र भेजा गया है। वहां से अनुमति मिलते ही रांची नगर निगम को एनओसी दे दिया जाएगा। कार्ट ने राज्य सरकार को सीरेज-

डेंजेज परियोजना के फेज-टू, फेज शी और फेज फोर के नियांग कार्य के संबंध में स्टेट्स रिपोर्ट दाखिल करने के लिए निर्देश दिया। कार्ट ने एगली सुनवाई में एनएचएआई के कार्यक्रम को बताया कि एनएचएआई से एनओसी मिलते ही फेज वन का एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर और रांची नगर निगम का शेष बचा 15 प्रतिशत काम जल्द पूरा कर दिया जाएगा। कार्ट ने एनओसी दे दिया।

इसके बाद भाजपा की बताया कि एनओसी दे दिया।

कार्ट ने कहा कि आरखण्ड में बच्चों की मृत्यु दर में देश की तुलना में बहुत ज्यादा अंतर नहीं है। झारखण्ड सरकार को बच्चों की मृत्यु दर का यह अंकड़ा शून्य पर लाने का प्रयास करना होगा।

सुनवाई के दोस्रा काम आरखण्ड में बच्चों की मृत्यु दर के अंकड़ों पर असंतुष्टि जताते हुए कार्ट ने कहा कि अगली सुनवाई में राज्य सरकार का अगर सटीक शपथ पत्र करें तो उन्हें संवेदन देने के लिए उपरिथत कर देता है।

दरअसल, पिछले सुनवाई में कार्ट ने सरकार को शपथ पत्र दाखिल कर दिया जाएगा।

कार्ट ने कहा कि आरखण्ड में बच्चों की मृत्यु दर में देश की तुलना में बहुत ज्यादा अंतर नहीं है।

झारखण्ड की राजधानी रांची की गतिविधियों की सुनवाई थी। मामले को लेकर कार्टने की दवा उपलब्धता शून्य पर सुनवाई हुई।

कार्ट ने कहा कि आरखण्ड में बच्चों की मृत्यु दर में देश की तुलना में बहुत ज्यादा अंतर नहीं है।

झारखण्ड की राजधानी रांची की गतिविधियों की सुनवाई थी। मामले को लेकर कार्टने की दवा उपलब्धता शून्य पर सुनवाई हुई।

कार्ट ने कहा कि आरखण्ड में बच्चों की मृत्यु दर में देश की तुलना में बहुत ज्यादा अंतर नहीं है।

झारखण्ड की राजधानी रांची की गतिविधियों की सुनवाई थी। मामले को लेकर कार्टने की दवा उपलब्धता शून्य पर सुनवाई हुई।

कार्ट ने कहा कि आरखण्ड में बच्चों की मृत्यु दर में देश की तुलना में बहुत ज्यादा अंतर नहीं है।

झारखण्ड की राजधानी रांची की गतिविधियों की सुनवाई थी। मामले को लेकर कार्टने की दवा उपलब्धता शून्य पर सुनवाई हुई।

कार्ट ने कहा कि आरखण्ड में बच्चों की मृत्यु दर में देश की तुलना में बहुत ज्यादा अंतर नहीं है।

झारखण्ड की राजधानी रांची की गतिविधियों की सुनवाई थी। मामले को लेकर कार्टने की दवा उपलब्धता शून्य पर सुनवाई हुई।

कार्ट ने कहा कि आरखण्ड में बच्चों की मृत्यु दर में देश की तुलना में बहुत ज्यादा अंतर नहीं है।

झारखण्ड की राजधानी रांची की गतिविधियों की सुनवाई थी। मामले को लेकर कार्टने की दवा उपलब्धता शून्य पर सुनवाई हुई।

कार्ट ने कहा कि आरखण्ड में बच्चों की मृत्यु दर में देश की तुलना में बहुत ज्यादा अंतर नहीं है।

झारखण्ड की राजधानी रांची की गतिविधियों की सुनवाई थी। मामले को लेकर कार्टने की दवा उपलब्धता शून्य पर सुनवाई हुई।

कार्ट ने कहा कि आरखण्ड में बच्चों की मृत्यु दर में देश की तुलना में बहुत ज्यादा अंतर नहीं है।

झारखण्ड की राजधानी रांची की गतिविधियों की सुनवाई थी। मामले को लेकर कार्टने की दवा उपलब्धता शून्य पर सुनवाई हुई।

कार्ट ने कहा कि आरखण्ड में बच्चों की मृत्यु दर में देश की तुलना में बहुत ज्यादा अंतर नहीं है।

झारखण्ड की राजधानी रांची की गतिविधियों की सुनवाई थी। मामले को लेकर कार्टने की दवा उपलब्धता शून्य पर सुनवाई हुई।

कार्ट ने कहा कि आरखण्ड में बच्चों की मृत्यु दर में देश की तुलना में बहुत ज्यादा अंतर नहीं है।

झारखण्ड की राजधानी रांची की गतिविधियों की सुनवाई थी। मामले को लेकर कार्टने की दवा उपलब्धता शून्य पर सुनवाई हुई।

कार्ट ने कहा कि आरखण्ड में बच्चो

